पाठ 10. राखी का मूल्य

पाठ की भूमिका

इस पाठ का उद्देश्य अंतर-वैयक्तिक संबंध का कौशल विकसित करना है ताकि वे विभिन्न व्यक्तियों/प्राणियों से सकारात्मक तरीके से जुड़ने की समझ पैदा कर सकें। 'राखी का बंधन' भारतीय सामाजिक परिवेश में भाई-बहन के बीच के पवित्र रिश्ते का प्रतीक माना जाता है। कई बार ऐसे सांस्कृतिक प्रतीक धर्म व जाति की सीमाओं को तोड़कर मनुष्य मात्र को भावुकता और कर्तव्य के बंधन में बाँधने का अनूठा कर्म करते हैं। ऐसा ही कुछ बोलते हैं रानी कर्मवती और बादशाह हुमायूँ के बीच महकते राखी के धागे।

पाठ का सार

हरिकृष्ण 'प्रेमी' द्वारा रचित इस पाठ में राखी के धागे से जुड़ी परंपरा और मर्यादा की जीती जागती मार्मिक तस्वीर खींची गई है। मेवाड़ पर संकट है। इस संकट का कारण है शक्तिशाली शत्रु का आक्रमण और आपसी फूट से परेशान राजपूताना। मेवाड़ की रानी कर्मवती इस मुसीबत से बचने के लिए सहायता पाने के उद्देश्य से हुमायूँ को राखी भेजने का प्रस्ताव अपने सहयोगियों के सामने रखती हैं। इस प्रसंग में कर्मवती के मन में मुसलमानों के प्रति विश्वास और प्रेम का भाव है। वे उन्हें भारत का अभिन्न अंग मानती हैं। जब राखी हुमायूँ के पास पहुँचती है तो उसके सामंत-सरदार और सलाहकार हुमायूँ को मेवाड़ के साथ उनके कड़वे संबंधों की याद दिलाते हैं। वे हुमायूँ को एक हिंदु रानी का साथ देकर दूसरे मुसलमान बादशाह बहादुरशाह से दुश्मनी मोल लेने से रोकते हैं। हुमायूँ इन राखी के धागों की कीमत जानते हैं। वे किसी भी कीमत पर न्याय के साथ जाना चाहते हैं। वे राखी का सम्मान करते हुए अपना सबकुछ दाँव पर लगाने को तैयार हो जाते हैं।

अध्यापन संकेत

- **मूल पाठ के लिए संकेत**

  विद्यार्थियों को पात्र-विभाजन करते हुए बदल-बदलकर वाचिक अभिनय के अवसर दिए जाएँ। एक बार इसी तरह एकांकी को पूरा पढ़ा जाए। संवादों के बोलने में नाटकीय तत्व की रक्षा कैसे हो? इस पर विचार और तद्नुरूप प्रयत्न ज़रूरी है। उच्चारण व विराम-चिह्नों के प्रयोग पर ध्यान बना रहना आवश्यक है।

  पात्रों के चारित्रिक विकास व उनके वर्गीकरण पर चर्चा ज़रूरी है।

  नाटक में देशकाल का ध्यान रखा गया है या नहीं तथा एकांकी के तत्वों के आधार पर एकांकी की व्यावहारिक समीक्षा तथा मौखिक-लिखित प्रश्नोत्तर पर बल देने की आवश्यकता है।

- **अभ्यास प्रश्नों के लिए संकेत**
  - **मौखिक प्रश्नों, पहेलियों, पठित परिच्छेद** व **पाठ आधारित प्रश्नों** के अध्यापन संकेत हेतु **पृष्ठ संख्या 3** देखें।
  - **भाषा आधारित प्रश्नों** का उद्देश्य हिंदी भाषा के व्याकरण-पक्ष को सुदृढ़ करना है।
  - अकर्मक-सकर्मक क्रिया की पहचान वाक्य में 'क्या' लगाकर करवाई जा सकती है। पाठ से संबंधित शब्दों से वाक्य बनाने के विषय में यहाँ जानकारी देना आवश्यक है।
- **क्रियाकलाप के लिए संकेत**
  - इस नाटक को अभिनीत करने के लिए बच्चों के बीच पात्रों को बाँटें। इस नाटक के पात्रों की पोशाकों तथा आभूषणों की सूची बच्चों से तैयार करवाने में मदद करें।